भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2863
बुधवार, 06 अगस्त, 2025 उत्तर देने के लिए

तृतीय उपग्रह प्रक्षेपण स्थल

2863. श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालूः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में तृतीय प्रक्षेपण स्थल (टीएलपी) के निर्माण और विकास की प्राप्त की गई समय-सीमा और लंबित उपलब्धियों सहित वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने तीसरे प्रक्षेपण स्थल और संबंधित अवसंरचना के निर्माण में निजी कंपनियों, एमएसएमई या स्टार्टअप्स के साथ साझेदारी की है या उन्हें शामिल किया है; और

(ग) यदि हाँ, तो ऐसे सहयोगों का ब्यौरा क्या है और मेक इन इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्या तंत्र अपनाए गए हैं?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानं मत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) तृतीय प्रक्षेपण स्थल परियोजना के लिए वित्तीय स्वीकृति मार्च 2025 में प्राप्त हुई थी। तत्पश्चात, स्थल का भू-तकनीकी अन्वेषण और स्थलाकृति सर्वेक्षण मई 2025 तक पूरा कर लिया गया। सड़क निर्माण और विद्युत कार्यों के लिए प्रस्तावों के मूल्यांकन किए जा रहे हैं। टीएलपी सुविधाओं की स्थापना के लिए अनेक कार्य पैकेजों की पहचान की गई है। चार प्रमुख पड़ाव हैं, नामत: सिविल कार्यों का समापन (मई 2028), द्रव प्रणालियों और संबंधित प्रणोदक भंडारणों की स्थापना (जुलाई 2028), प्रक्षेपण स्थल सुविधाओं की स्थापना (सितंबर 2028) और मार्च 2029 तक सुविधा का चालू होना।

..2/-

(ख) एवं (ग)

विभाग भारतीय निजी कंपनियों और एमएसएमई के साथ साझेदारी करने का प्रस्ताव रखता है, जिनका चयन निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है ताकि मेक-इन-इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की बात यथासंभव सुनिश्चित की जा सके। ऐसे सहयोगों के विवरण बोली प्रक्रिया पूरी होने और अनुबंधों के जारी होने के बाद उपलब्ध होंगे।

****